प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA) एवं

उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

द्वारा प्रायोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

तुलनात्मक साहित्य दशा और दिशा

(भारतीय साहित्य के विशेष संदर्भ में)

23-24 मार्च 2026

स्थान : VC Conference Hall

हिन्दी विभाग, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, अमृत विहार, ओड़िशा, पिन-768004

संगोष्ठी के विषय में....

आज वैश्वीकरण का युग है। इस दौर में स्थूल से लेकर सूक्ष्म सभी की तुलना की जा रही है। तुलना की यह परंपरा प्रचीन काल से चली आ रही है। ऐसे में भाषा , साहित्य, संस्कृति की तुलना सर्वोपरि महत्व रखता है। आज यह तुलना केवल ग्रन्थों की तुलना तक सीमित नहीं है। आज तुलना विशाल पटल पर देखा जा रहा है। आज साहित्य के माध्यम से अंतःसांस्कृतिक संबंधों, विषयों, शैलियों और प्रभावों का विश्लेषण करती है , जो संकीर्णता को तोड़कर व्यापक वैश्वीक दृष्टि प्रदान करती है। इसमें अनुवाद बड़ी भूमिका निर्वाह कर रहा है। इसके कारण एक साहित्य की विचारधारा , शैली, विषय दूसरे साहित्य को प्रभावित कर रहे हैं। हमारे भारत जैसे बहुभाषी , बहु संस्कृति के देश में तुलनात्मक अध्ययन का बहुत बड़ा महत्व है। और इसमें भी ओड़िशा जैसे राज्य जो जगन्नाथ संस्कृति और ओड़िआ भाषा संस्कृति का केंद्र है प्रचीन काल से लेकर अब तक अन्य संस्कृति और साहित्य से प्रभावित होता रहा है। ऐसे में ओड़िशा के संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन और भी महत्व रखता है । इस संगोष्ठी में साहित्य की तुलना से जुड़े तमाम पहलू विचारणीय होंगे ।

संगोष्ठी के विषय...

1. **तुलनात्मक साहित्य का इतिहास**
2. **प्रचीन और आधुनिक साहित्य में तुलना**
3. **भारतीय भाषाओं के साहित्य में तुलना**
4. **भक्तिकालीन और आधुनिक साहित्य की तुलना** 5 . **हिन्दी और ओडिआ भाषा में तुलना**
6. **हिन्दी और ओडिआ साहित्य में तुलना**
7. **सांस्कृतिक तुलना**
8. **शैलीगत तुलना** 9 . **विषयगत तुलना**
10. **तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद का महत्व**
11. **शोध पद्धति के रूप में तुलनात्मक साहित्य**
12. **कविता, गद्य में तुलनात्मक अध्ययन**
13. **सर्जनात्मक साहित्य में तुलना**
14. **ज्ञान, विज्ञान के साहित्य की तुलना** 15. **विचारधारा में तुलना**

आयोजक संस्थान के बारे में.....

संबलपुर ओड़िशा और छत्तीसगढ़ राज्यों के बीच में स्थित है और दोनों प्रंतों को जोड़ता है। महानदी के बायें किनारे पर स्थित यह नगर कभी हीरों के व्यवसाय का केंद्र था । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्रप्त बांधकला (सूती और रेशमी बुनावट) , आदिवासी समृद्ध विरासत और प्रचुर जंगल भूमि के लिए प्रसिद्ध है यह नगर। नगर की पृष्ठभूमि में वनाच्छादित पहाड़ियाँ स्थित है , जिसके कारण नगर सुंदर लगता है। संबलपुर का नाम समलेश्वरी देवी के नाम पर पड़ा है, जो शक्तिरूपा हैं और इस क्षेत्र में पूज्य देवी हैं। जीवनदायिनी नदी महानदी पर बने भव्य एवं विशाल हीराकुद बांध के पास बसे संबलपुर के ऐतिहासिक शहर के बीचोंबीच स्थित है गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय । इसकी स्थापना 1944 में संबलपुर कालेज के रूप में हुआ था । बाद में 1949 में इसका नाम बदलकर गंगाधर मेहेर कालेज कर दिया गया। श्री गंगाधर मेहेर ओडिआ के प्रसिद्ध कवि हैं। कालेज ने 1991 में एक स्वायत्त कालेज के रूप में काम करना शुरू किया। 30 मई 2015 को एकक विश्वविद्यालय के रूप में अस्तित्व में आया। 2015 में नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ था। 2025 में **नैक द्वारा 'ए' ग्रेड** के साथ मान्यता प्रप्त होने पर अपनी सफलता का और एक मील का पत्थर साबित हुआ । भारतीय ज्ञान प्रणाली(आईकेएस)पर जोर देते हुए राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति को लागू करना , रोजगार योग्य कौशल सेट के साथ बहु विषयक शिक्षा प्रदान करना , उद्योग से संबंध स्थापित करना, अत्याधुनिक अनुसंधान और प्रकाशन के लिए प्रयास करना और सबसे महत्वपूर्ण बात , क्षेत्र के हाशिए पर पड़े वर्गों , विशष रूप से आदिवासी समुदायों तक पहुँचना , जीएम विश्वविद्यालय समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने सुस्पष्ट संस्थागत लक्ष्यों को आगे बढ़ रहा है । अब इसमें 28 संकायों के साथ यूजी, पीजी एवं पीएचडी में अध्ययन और अनुसंधान कार्य हो रहा है । विविध सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के 6449 से अधिक छात्रों के साथओड़िशा के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में से एक है।

सच में संबलपुर एक सपने से कम नहीं। यदि अवसर मिले तो पर्यटक हों, सैलानी हों या फिर धार्मिक यात्रा हों, सभी इस सुंदर और आकर्षक स्थल आने का अवसर ढूंढते हैं। ऐसे में आप राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं।

हिन्दी विभाग के बारे में.....

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन एवं अध्यापन का कार्य चल रहा है । इसमें वर्ष 2018 मील का पत्थर साबित हुआ जब एक ही साथ स्नातकोत्तर, एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ । वर्तमान स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के 156 विद्यार्थी हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन एवं अनुसंधान कार्य कर रहे हैं और हिन्दी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

पंजीकरण ....

शोध सार (250 शब्द) एवं पूर्ण शोध प्रपत्र (1500 शब्द संदर्भ सहित) Hindi Font- Unicode Mangal, Krutidev, Akruti Bhaskar, 14 Font Size में **20 मार्च 2026 तक** drdasharathibehera@gmail.com या gmuniversityhindi@gmail.com पर प्रेषित करें।

गूगूल फार्म में पंजीकरण करने के लिए लिंक :https://forms.gle/Am8s8UpGcrVt7XAb7

पंजीकरण शुल्क :

	आलेख प्रस्तुत और प्रमाणपत्र	**आलेख प्रस्तुत , प्रमाणपत्र और पब्लिकेशन**
छात्र	रु. 200/-	रु. 500/-
शोध छात्र	रु. 400/-	रु. 700/-
अध्यापक	रु. 500/-	रु. 800/-

नोट:पंजीकरण शुल्क जमा करने के बाद स्क्रीनशॉर्टगूगूल फार्म में अपलोड करें या Whatsapp **पर भेजें।**

For Registration Fees Scan QR code

Phonepe No.9861092082

संगोष्ठी में आमंत्रित विषय विशेषज्ञ.....

प्रो. अरूण होता
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
पश्चिम बंगाल राज्य
विश्वविद्यालय
आयोग

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति, थावे विद्यापीठ,
गोपालगंज, बिहार तथा
पूर्व अध्यक्ष,छत्तीसगढ़ राजभाषा

डॉ. रमेश श्रीवास्तव,
सेवानिवृत्त, भारतीय सांखिकी सेवा,
छत्तीसगढ़

प्रो. (डॉ.)जंगबहादुर पाण्डेय
पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष,
रांची विश्वविद्यालय, झारखंड

प्रो. (डॉ.) प्रकाश चंद्र पटनायक
पूर्व प्रोफ़ेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. गिरीश चंद्र मिश्र
पूर्व प्रोफेसर ,
रेवेन्शा विश्वविद्यालय
कटक

डॉ. मनोरंजन प्रधान
विश्वभारती विश्वविद्यालय
शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल

डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
शिवपुर दीनबंधु इन्स्टीट्यूशन
कॉलेज, हावड़ा

डॉ. चक्रधर प्रधान
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
कोरापुट

डॉ. शरत कुमार जेना
विश्वभारती विश्वविद्यालय
शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल

डॉ. अभिषेक शर्मा
हिन्दी विभागाध्यक्ष
रेवेन्शा विश्वविद्यालय,
कटक

मुख्य संरक्षक

डॉ. सुशांत कुमार दास

कुलपति(प्रभारी), गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर

सलाहकार समिति

प्रो.(डॉ.) सदन कुमार पाल, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर
डॉ.ज्योति मिश्र, पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर
डॉ. मुरारीलाल शर्मा, पूर्व संयोजक, हिन्दी विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर
डॉ.जयंत कर शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, महिला महाविद्यालय, संबलपुर
प्रो.(डॉ.) कमलप्रभा कपानी, पूर्व प्राचार्य तथा हिन्दी विभागाध्यक्ष, पंचायत महाविद्यालय, बरगढ़
डॉ. मूरलीधर माझी, आंचलिक निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, संबलपुर

आयोजन समिति

विभाग समन्वयक : डॉ.रंजन सेठी, **संगोष्ठी समन्वयक :** डॉ.दाशरथी बेहेरा. **सह समन्वयक:** डॉ.प्रणति बेहेरा, **सह समन्वयक:** डॉ. स्मृति स्मरणिका जेना
सदस्य :गोविंद नायक, निरूपमा साहू, कैलाश चंद्र सेठी, चंद्रिका सा, अंकिता पटेल, स्नेहा साहू, खुशबू दीप, अनन्या पांडा, निकिता साहू, विकास साहू, पायल प्रियदर्शिनी साहू, बबली पटेल, रोशनी प्रधान, भूमिका भोई, वैशाखी विश्वास, अलीभा अर्पिता बारला, राजेश्वरी सुना, सूरज कुमार साह, स्वप्ना एक्का, अभिन्न पधान, रजत कुमार मेहेर, सुबल पधान, फिरोली पधान, पायल प्रधान, स्नेहा माझी, मनीषा साहू, तृप्ति पधान, तनु पटेल, मानसी भरायसागर, तपस्विनी बाग, अनंता पांडे, दीप शर्मा, मंदाकिनी मिश्र

आवश्यक सूचना

1. संगोष्ठी में भाग लेने वाले सभी छात्र, शोधार्थी और अध्यापक इसमें दिए गए गुगूल लिंक पर नाम पंजीकरण करें
2. संगोष्ठी में भाग लेनेवाले सभी शिक्षक एवं शोध छात्र पत्र प्रस्तोताओंको शोध पत्र पढ़ने से पूर्व अपने शोध पत्र की छायाप्रित आयोजकों को देनी होगी।
3. शोध पत्र केवल विश्वविद्यालय वेबसाइट पर ही अपलोड किए जाएंगे
4. पंजीकरण आनलाइन/ऑफलाइन किया जाएगा
5. शोध छात्र पत्र प्रस्तोताओंको शोध निदेशक/विभागाध्यक्ष की अनुमति की प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा

नोट: संगोष्ठी में भाग लेनेवाले सभी शिक्षक एवं शोध छात्र प्रस्तोताओं के खाने की व्यवस्था संस्थान की ओर से निःशुल्क रहेगी जबकि आने जाने का किराया व ठहरने का किराया वे स्वयं वहन करेंगे।

निवेदक

कार्यक्रम समन्वयक
डॉ.दाशरथी बेहेरा
सहायक प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग (मो. 9438385482, 9861092082)

विभाग समन्वयक
डॉ.रंजन सेठी
समन्वयक हिन्दी विभाग (मो.9861972410)

सह समन्वयक

डॉ. प्रणति बेहेरा
सहायक प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग (7894154603)

डॉ. स्मृति स्मरणिका जेना
सहायक प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग (7008466280)

संपर्क सूत्र :

मो. 9438385482, 9861092082, 7894154603, 7008466280 Email: gmuniversityhindi@gmail.com